जागृति

वर्ष:62 अंक-3 मुम्बई फरवरी 2018

भारत में डाक सेवाओं की स्थापना के 160 से अधिक वर्षों के बाद, अब देश में 90,000 डाक कर्मचारी राष्ट्रीय वस्त्र "खादी" को अपनी नई पहचान (यूनिफार्म) के रूप में धारण करेंगे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 62 अंक-3 मुंबई फरवरी 2018

कामये दुरवतामानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

सम्पादक
के. एस. राव

उप सम्पादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक
सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार
संजय एस. सोमदे

कलाकार
चंद्रशेखर पुनवटकर,
दिलीप पालकर

के. सुब्बाराव, द्वारा प्रचार, फिल्म एवं
लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
ग्रामोदय,3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुम्बई - 400 056 के लिए प्रकाशित
टेलिफैक्स: 022-26719465
ई-मेल: jagritikvic@gmail.com वेबसाईट: www.kvic.org.in

प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय,
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 में प्रकाशित

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा व्यक्त विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा सम्पादक सहमत हों।

इस अंक में...

समाचार सार.....3 से 17

गौरव के पल....

163 वर्षीय भारतीय डाक घर ने अपने नये गणवेश के रूप में खादी को अपनाया .....

आयोग ने नोएडा में ग्लोबस के साथ पहला खादी कॉर्नर खोला....

आयोग का "ग्लोबस"के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू).....

शिल्प, वस्त्र और संस्कृति का संगम : खादी हाट का उद्घाटन.....

भारत का पहला खादी हाट:आयोग द्वारा संस्कृति और स्वाद के साथ वस्त्र, शिल्प को बढ़ावा.....

आयोग के कर्मचारियों के लिए एक विशेष प्रदर्शनी.....

बुरहानपुर में केआरडीपी के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन .....

आयोग ने मनाया 69वां गणतंत्र दिवस.....

आयोग के सदस्यों द्वारा राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ दौसा का दौरा.....

महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला.....

राष्ट्रपिता का स्मरण.....

"मिस इंडिया खादी" ने हल्द्वानी में खादी संस्था का दौरा किया.....

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियाँ.....18 से 24

गौरव के पल....

भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भारत दौरे के दौरान दिनांक 17 जनवरी, 2018 को साबरमती आश्रम, अहमदाबाद का दौरा किया। साबरमती आश्रम में नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने गाँधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया एवं महात्मा गांधी से जुड़ी चीजों को देखा और बड़ी उत्सुकता के साथ चरखा भी चलाया।

163 वर्षीय भारतीय डाक घर ने अपने नये गणवेश के रूप में खादी को अपनाया

नई दिल्ली: भारत का प्रमुख वस्त्र जो खादी के रूप में जाना जाता है, एक बार फिर से कुछ अच्छे कारणों से चर्चा में है। भारत में डाक सेवाओं की स्थापना के 160 वर्षों के बाद देशभर में डाक विभाग के 90,000 कर्मचारी फरवरी 2018 के बाद से अपनी नई वर्दी के रूप में खादी की वर्दी धारण करेंगे। बहुत उत्साह और प्रसन्नता के मध्य, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह और संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री मनोज सिन्हा ने संयुक्त रूप से 29 जनवरी, 2018 को उद्योग भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में भारतीय डाक के कर्मचारियों के लिए खादी वर्दी का लोकार्पण किया।

संयोग से, यह पहली बार उत्तराखंड में डाक विभाग ही था, जिसने वर्ष 2016 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ग्रामोद्योगी इकाइयों द्वारा बनाए गए फर्नीचर का ऑर्डर देने के अलावा, उत्तराखंड क्षेत्र में अपने सभी डाक कर्मचारियों की वर्दी के रूप में खादी को अपनाने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना के प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार किया और जिसने भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का भी ध्यान आकर्षित किया है, जिन्होंने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में खादी को अपनाने के लिए उत्तराखंड के डाक विभाग के इस निर्णय की विशेष रूप से सराहना की है।

आत्मनिर्भरता का प्रतीक बने इस वस्त्र को अपनाने के लिए उनके विजन से प्रेरणा लेते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कई सरकारी विभागों और राज्य सरकारों से संपर्क करने के लिए कोई कसर नहीं छोडी और अंततः खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने डाक विभाग के रूप में एक और खरीदार पाया है, जिसने हाल ही में अपने पत्र वाहकों के लिए खादी को वर्दी बनाने का फैसला किया।

देशभर के सभी डाकघरों में खादी वस्त्र को वर्दी के रूप में अपनाने के बारे में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के अनुरोध पत्र पर ध्यान देते हुए, डाक विभाग के सचिव (संचार मंत्रालय), ए.के.नंदा के दि.19 दिसंबर 2017 के अर्द्ध शासकीय पत्र सं. 23-2 / 2017 के अनुसार खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माध्यम से सभी डाक सर्कल को वर्दी की खरीदी के बारे में सूचित किया गया था। डाक कार्यालय अपने प्रत्येक कर्मचारी को वर्दी के 2 सेट खरीदने के लिए 5000/- रुपये सालाना देता है। अब, 90,000 डाक कर्मचारियों को दो सेट दिए जाएंगे।

डाक कर्मचारियों के लिए नई खादी वर्दी विशेष रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) द्वारा डिज़ाइन की गई है। "यह सचमुच हमारे लिए उत्साहजनक बात है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग को इस प्रतिष्ठित आदेश के माध्यम से देश में डाक कर्मचारियों के लिए नई वर्दी की आपूर्ति हेतु लगभग 48 करोड़ रूपये मूल्य का आर्डर मिला है। उन्होंने आगे कहा, यह आदेश हमारे कारीगरों की आय में निश्चित रूप से बढ़ोतरी करेगा और साथ ही, खादी को अपनी वर्दी के रूप में स्वीकारने के लिए अन्य विभागों का भी ध्यान आकर्षित करेगा।

6 जनवरी 2018 को डाक विभाग ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग से अनुरोध किया था कि वे उच्च अधिकारियों के आगे अनुमोदन के लिए 20 जनवरी तक नमूने प्रस्तुत करें। हालांकि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 18 जनवरी 2018 को ही इसे प्रस्तुत कर दिया, जो केवल अनुमोदित ही नहीं बल्कि इसे डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भी प्रशंसा मिली।

यह उल्लेखनीय है कि भारतीय डाक के लिए काम करने वाले प्रत्येक डाकिया/पोस्टवुमन को 5000/- रुपये वार्षिक वर्दी भत्ता मिलता है, और उसी राशि को उन दोनों को दिए जाने वाले कपड़े के दो सेट बनाने पर खर्च किया जाएगा। फरवरी के शुरूआती दिनों में अपने पत्रवाहक को नए गणवेश में देखने के लिए अब तैयार रहे। महिलाओं को दो जोड़ी सलवार कमीज दी जाएगी - प्रत्येक जोड़ी की 1700 रुपये कीमत है, जबकि पुरुषों को दो शर्ट और ट्राउजर दिए जाएंगे - प्रत्येक जोड़ी की कीमत 1600 रुपये होगी। सभी वर्दी खादी वस्त्र और खाकी रंग की बनी होंगी।

मुख्य विशेषताएं:

- अब कुल **90,000** डाक कर्मचारी खादी वर्दी में होंगे, जिनमें पोस्टमेन (डाकिए)शामिल होंगे।
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सिलाई किये गए वस्त्रों पर सभी पत्रवाहक के लिए **10** प्रतिशत की विशेष छूट देगा।
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने उन सभी को वर्दी के प्रत्येक जोड़ी की खरीदी करने पर दो पट्टियां उपहार में भी दीं, जो जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-पीड़ित परिवारों की महिलाओं द्वारा सिले गए हैं।
- लगभग **8** लाख मीटर खादी वस्त्र की जरुरत होगी, जो देश के शीर्ष **37** खादी संस्थाओं जैसे - हिमाचल प्रदेश, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक आदि द्वारा प्रदान किया जाएगा।
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने निर्धारित तारीख से पहले ही नमूने जमा कर दिए थे और उन नमूनों को विभाग के अधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया गया और उनकी सराहना की गई।

आयोग ने नोएडा में "ग्लोबस" के साथ पहला खादी कॉर्नर खोला

नई दिल्ली: यह आधुनिकता के साथ विरासत का एक ऐसा प्रकार का संगम था, जब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने नोएडा स्थित ग्रेट इंडिया प्लेस मॉल में पहला खादी कॉर्नर (शॉप-इन-शॉप संकल्पना पर) का उद्घाटन किया।

मंत्री महोदय ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि खादी कॉर्नर शुरू करने के लिए विभिन्न रिटेल चेन के साथ मिलकर खादी ने एक बार फिर खुदरा बिक्री में एक नया आयाम बनाया है। "पूर्व में लोग मानते थे कि खादी या तो नेता (राजनेता) या दादाजी (दादा दादी) की पोशाक है। उन दिनों खादी के वफादार ग्राहक खादी भंडारों से खादी खरीदने के लिए दूर-दूर जाते थे। उन्होंने आगे बताया कि आज, यह केवल सभी का पसंदीदा वस्त्र ही नहीं बना है बल्कि उसने गांवों से महानगरों के मेगा मॉल तक अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

इसी तरह के विचारों को आगे बढ़ाते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि चूँकि आधुनिक दुनिया में उपलब्धता एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, इसीलिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश के प्रमुख मॉल और सुपरमार्केट में खादी कॉर्नर खोलने की एक नई पहल शुरू की है। हम यह सुनिश्चित करें कि खादी को घर-घर तक पहुंचना चाहिए। "खादी कॉर्नर में प्रतिदिन बिक्री औसतन 30,000 रुपये के आसपास होगी, यह खादी के खुदरा क्षेत्र के लिए निश्चित रूप से एक प्रमुख मार्केटिंग योजना होगी और खादी बिक्री के लिए प्रमुख रूप से जोर देने की संभावना है।" उन्होंने आगे कहा कि खादी में बाजार के अनुसार फैशनेबल डिजाइन पेश करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा डिजाइनर इंटर्वेंशन की भी योजना बनायी गयी है। प्रतिष्ठित डिजाइनर्स जैसे रितु बेरी, नचिकेत और अन्य संस्थानों जैसे निफ्ट, एसएनडीटी, पर्ल अकादमी भी इस पहल में शामिल हैं।"

जैसाकि विदित है, 16 नवंबर, 2017 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई में रिटेल चेन के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और डिजाइनरों के

साथ विचार-विमर्श किया था, जहाँ आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सचिव श्री अरुण कुमार पांडा ने संबोधित किया था। इस बैठक का उद्देश्य रिटेल चेनों के प्रमुख मॉलों और खुदरा दुकानों में खादी की बिक्री करना है। इसके पश्चात, ग्लोबस स्टोर्स, रहेजा ग्रुप की इकाई के साथ अभिसरण स्थापित किया गया है और पहले चरण में ग्लोबस के साथ नोएडा, चेन्नई, वारणसी और अहमदाबाद में खादी कॉर्नर खोलने की योजना बनायी गयी है। इसके साथ ही कॉटन बाज़ार, मुंबई के साथ समझौता किया गया है और फरवरी 2018 में उनके स्टोर्स में खादी कॉर्नर खोलने की योजना है। इसके

अलावा खादी कॉर्नर के लिए आयोग द्वारा अपना बाजार, शॉपर्स स्टॉप, बिग बाजार आदि के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है।

आयोग का "ग्लोबस" के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू)

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 12 जनवरी, 2018 को खादी कॉर्नर शुरू करने हेतु केन्द्रीय कार्यालय मुंबई में मैसर्स ग्लोबस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। यह समझौता आयोग में विपणन निदेशक श्री आई. जवाहर व ग्लोबस स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि श्री अमित कुमार के मध्य आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, वितीय सलाहकार सुश्री उषा सुरेश व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ।

स्टोर के ग्लोबस चेन के साथ हुए इस समझौते के बारे में जानकारी देते हुए खादी और ग्राम उद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष ने कहा, कि यह एक अच्छा मंच है जहां ग्राहकों को लम्बी दूरी तय किये बिना खादी उपलब्ध होगी। उन्होंने इस वर्ष हुई खादी की बिक्री लगभग 55,8,77 करोड़ रुपये का भी उल्लेख किया जो अब तक की उच्चतम बिक्री है।"

इस तरह के समझौते से बिक्री, रोजगार सृजन व अधिक मजदूरी बढ़ाने के रूप में कारीगरों को लाभ के साथ तीन प्रकार से लाभ होते हैं।

श्री विनय कुमार ने खादी मित्र जैसे एक अन्य प्रयोग के बारे में भी घोषणा की, जहां गृहणियां बहुत कम पूंजी निवेश के साथ खादी क्रय-विक्रय का व्यवसाय शुरू कर सकती हैं।

ग्लोबस स्टोर प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि एक अच्छे सहयोग का प्रतिफल अच्छा ही होता है और ग्लोबस स्टोर से जेड पीढ़ी वाले क्रेता हैं, जो भिन्न भिन्न खादी के साथ-साथ अन्य ग्रामोद्योगी उत्पादों के तेल, साबुन के लिए उनके स्टोर से संपर्क करेंगे। नई दिल्ली में खोले गए पहले स्टोर ने रु. प्रति वर्गफुट 1800 रूपये की बिक्री दर्ज की है जो कि अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

मुंबई में लोकप्रिय रिटेल चेन विक्री केन्द्रों के माध्यम से खादी की विक्री व प्रचार करने हेतु मुंबई में

प्रमुख रिटेल चेन विक्री केन्द्रों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सचिव, संयुक्त सचिव (एआरआई) के मध्य 16 नवंबर, 2017 को एक बैठक आयोजित की गई, जहाँ मेसर्स ग्लोबस, अपना बाजार, रेमंड्स, बिग बाजार, रहेजा, पैंटालून जैसे 20 से अधिक लोकप्रिय रिटेल चेन विक्री केन्द्रों के प्रतिनिधियों सहित रिटेलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया, जहां खुदरा व्यापार में निजी क्षेत्र के दिग्गजों व व्यवसायियों की पहल से शॉप-इन-शॉप अवधारणा आदि विपणन केन्द्रों के माध्यम से खादी का प्रचार करने की पहल के लिए एक साथ आने का अनुरोध किया।

मैसर्स ग्लोबस स्टोर प्राइवेट लिमिटेड के बैठक के परिणामस्वरूप खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यालय मुंबई में रिटेल (खुदरा) बिक्री केंद्रों की श्रृंखला उपलब्ध है भारत के 22 शहरों में 35 स्थानों पर बिक्री केंद्र और शो-रूम हैं। खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नोएडा और चेन्नई में ग्लोबस शो रूम में "खादी कॉर्नर" स्थापित करने के लिए जगह प्रदान की गई। चरणबद्ध तरीके से विभिन्न ग्लोबस विक्री केन्द्रों के माध्यम से विक्री केन्द्रों की संख्या में वृद्धि की जाएगी।

खादी कॉर्नर तीन विशिष्ट मॉडलों पर कार्य करेगा: -

मॉडल -1. (जहां खादी कोर्नर विशेष रूप से खुदरा विक्रेता द्वारा चलाया जाएगा)

मॉडल-2. (जहां डीसीओ/ खादी ग्रामोद्योग भवन द्वारा खादी कॉर्नर चलाया जाएगा)

मॉडल-3 . (जहां खादी कॉर्नर खादी संस्थानों/ पीएमईजीपी /आरईजीपी इकाइयों द्वारा चलाए जायेंगे) (त्रिपक्षीय समझौता)

पूर्व में ही नोएडा में ग्लोबस स्टोर्स में खादी कॉर्नर स्थापित किया गया है और यह 4.1.2018 से काम कर रहा है।

खादी कॉर्नर की पहल पर मैसर्स ग्लोबस के साथ समझौता ज्ञापन 12.1.2018 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में हस्ताक्षर किए गए।

चेन्नई में ग्लोबस स्टोर्स में खादी कॉर्नर शरू करने हेतु केवीआईसी, ग्लोबस और मद्रास सर्वोदय संघ के मध्य शीघ्र ही त्रिपक्षीय समझौता किया जाएगा।

शिल्प, वस्त्र और संस्कृति का संगम 'खादी हाट' का उद्घाटन

नई दिल्ली: यहाँ, कश्मीर की पश्मीना से लेकर बनारस की सड़कों पर खूबसूरत ढंग से बुने हुए कढ़ाईदार ज़री-ज़रदोजी, पश्चिम बंगाल के तात की साड़ियों से लेकर इंदौर (मध्य प्रदेश) के हाथों से तैयार किए गए बाटिक-मुद्रित वस्त्र के साथ-साथ निज़ामी और राजस्थानी लोक नृत्य द्वारा लोकप्रिय प्रसिद्ध सूफी गीतों, शांतिप्रिय संगीत और देश भर के स्वादिष्ट व्यंजन 'फूड कोर्ट'-सभी एक ही स्थान में कनॉट प्लेस पर-दिलवालों की दिल्ली का दिल है ।

बहुत उत्साह और प्रसन्नता के बीच, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं नई दिल्ली नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में बाबा खडक सिंह मार्ग में पहले खादी हाट का उद्घाटन किया।

मंत्री ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि खादी न केवल एक का बल्कि सभी का ही पसंदीदा वस्त्र बन गया है अर्थात आज खादी ने एक छोटे से खादी भण्डार से मेगा मॉल तक अपनी जगह बना ली है। "अन्य जगहों पर भीड़ भरे और शोरगुलभरे माहौल के विपरीत, इस खादी हाट में संगीत, आध्यात्मिकता और रोशनी का माहौल निश्चित रूप से खरीदारों के लिए एक आरामदायक जगह प्रदान करेगा। यह उल्लेखनीय है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग पूरे विश्व में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयासरत है, हालांकि इसके बिक्री केंद्र और विक्री करने के लिए मार्केट भी हैं।"

इसी तरह के विचारों की पुष्टि करते हुए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि खादी, भारत के ग्रामीण विकास मॉडल में एक अपरिहार्य घटक है और यह ग्रामीण-शहरी दूरी को मिटाने में सबसे आवश्यक संयोजन में से एक है। यह खादी हाट न केवल हमारे कारीगरों के लिए ज्यादा रोज़गार के अवसर पैदा करेगा, बल्कि यह प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) उद्यमियों के प्रदर्शन के लिए भी बेहतर मंच प्रदान करेगा ताकि वे अपने सुंदर उत्पादों की बिक्री कर सके और इसके साथ ही यह नवोदित कलाकारों को पर्याप्त आय के साधन भी उपलब्ध कराएगा।

लोकसभा सांसद मीनाक्षी लेखी ने एन.डी.

एम.सी. और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रयासों की भी सराहना की। "खादी एक नया विचार है और हम सभी को दुनिया भर में इसका प्रचार करने की कोशिश करनी चाहिए"।

एन.डी.एम.सी. के अध्यक्ष नरेश कुमार ने कहा कि निगम, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ आगे बढ़ने से कभी संकोच नहीं करेगा।

अन्य लोगों के अलावा सभा को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा, प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर रितु बेरी और आयोग के सदस्य हिना शफी भट्ट ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का समापन निजामी भाइयों श्री सुरेश

व्यास एवं उनके दल द्वारा प्रस्तुति और खूबसूरत राजस्थानी लोक नृत्य कला के साथ हुआ।

भारत का पहला खादी हाट: आयोग द्वारा संस्कृति और स्वाद के साथ वस्त्र, शिल्प को बढ़ावा

नई दिल्ली: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की स्वप्न परियोजना 'स्वच्छ भारत अभियान' का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, यह जगह- एक बार दवा-विक्रेताओं और सामाजिक-विरोधी तत्वों के आश्रय के लिए विख्यात थी, अब यह सबसे सुरक्षित स्थान बन गया है, क्योंकि शिल्प-व्यंजन-संस्कृति प्रेमियों के लिए यह सबसे स्वच्छ और उत्तम जगह है! हां, यह मानते हुए कि दिल्ली 'दिलवालों' की है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने संस्कृति के साथ वस्त्र को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, नई दिल्ली के दिल में यानी कनॉट प्लेस में! जोकि अब नशीली दवाओं और अपराधियों से भी स्वच्छ हो रहा है, इसके लिए भारत के 68वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, जब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह ने बाबा खडक सिंह मार्ग पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के पहले "खादी हाट" का उद्घाटन किया। यह उन पारस्परिक खरीदारों को आकर्षित करने के लिए अधिक पर्याप्त स्थान है, जो अधिक से अधिक शोर-शराबे जैसे शॉपिंग मॉल में जाने से बचते हैं। यहाँ, कश्मीर की पश्मीना से लेकर बनारस की सड़कों पर खूबसूरत ढंग से बुने हुए कढ़ाईदार ज़री-ज़रदोजी, पश्चिम बंगाल के तात की साड़ियों से लेकर इंदौर (मध्य प्रदेश) के हाथों से तैयार किए गए बाटिक-मुद्रित वस्त्र आदि सभी चीजें एक ही जगह पर उपलब्ध हैं। वह भी लोकप्रिय व शांतिप्रिय संगीत और देश भर के स्वादिष्ट व्यंजन 'फूड कोर्ट' के बीच में।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना के लिए यह न केवल राष्ट्रीय राजधानी के केंद्र में खादी और ग्रामोद्योगों के प्रदर्शन को सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका था बल्कि यह प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) उद्यमियों के प्रदर्शन के लिए भी बेहतर मंच बन सकता है और वे अपने अति सुंदर उत्पादों की बिक्री कर सकते हैं। "खादी दिन-प्रति-दिन आगे बढ़ रही हैं क्योंकि हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खादी की ऐतिहासिक प्रासंगिकता 'राष्ट्र से फैशन

और फैशन से परिवर्तन' तक को पदचिन्हित किया है। श्री सक्सेना ने कहा कि हमारे प्रधान मंत्री द्वारा बार-बार की गई अपीलों का प्रभाव यह है कि आज खादी, समाज के लोगों के आर्थिक स्तर पर सबसे लोकप्रिय वस्त्र बन गयी है। यह खादी हाट हमारे कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए सबसे बेहतरीन जगहों में से एक होगा। उन्होंने आगे कहा कि खादी, भारत के ग्रामीण विकास मॉडल में एक अपरिहार्य घटक है और यह ग्रामीण-शहरी दूरी को मिटाने में सबसे आवश्यक संयोजन में से एक है। यह खादी हाट न केवल हमारे कारीगरों के लिए ज्यादा रोज़गार के अवसर पैदा करेगा, बल्कि इसके साथ ही यह पूरे मंच के नवोदित कलाकारों को पर्याप्त आय भी उपलब्ध कराएगा। इतना ही नहीं, यह कानून और व्यवस्था बनाए रखने के अधिकारियों के लिए भी राहत प्रदान करेगा - जो हमेशा इस जगह को स्वच्छ और शांतिपूर्ण बनने में लगे रहते थे।"

"यह खादी हाट-खादी और ग्रामोद्योग आयोग एवं एनडीएमसी के संयुक्त तत्वावधान के तहत खोला गया है।" यहाँ, खादी और ग्रामोद्योग की दुकानों के अलावा, एक स्वास्थ्यवर्धक 'फ़ूड कोर्ट' होगा, जिसमें चार फ़ूड स्टाल होंगे और संगीत कार्यक्रम के लिए एक मंच होगा। यह शाम को रोजाना तीन घंटे खुलेगा और इसका प्रवेश टिकट 20 रुपये होगा, जिसमें आगंतुकों को जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद पीड़ित इलाकों की महिलाओं द्वारा बनाये गए खादी रूमाल मिलेगे।

श्री गिरिराज सिंह, माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ने नवादा जिले के खानवा गांव में भारतीय हरित खादी संस्थान के तहत सोलर चरखा वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

मुंबई में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम सचिव, श्री अरुण कुमार पांडा तथा आयोग के अन्य अधिकारियों ने भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ संपन्न हुई एक पीएमईजीपी बैठक में भाग लिया।

श्री गिरिराज सिंह, माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ने 8 जनवरी 2018 को तिरुवनंतपुरम में कॉयर बोर्ड द्वारा व्यवसायिक शिक्षा एवं व्यैक्तिक सशक्तिकरण पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित "मैनेजर्स कॉन्क्लेव-2018" में भाग लिया तथा सहभागियों से बातचीत की।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 14 जनवरी 2018 को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में रामभाऊ म्हाल्गी प्रबोधिनी द्वारा आयोजित "आर्थिक लोकतंत्र सम्मेलन" में भाग लिया। इस समारोह का उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने किया।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने तमिलनाडु के तंजावुर जिले में 30.12.2017 को आयोजित खादी कारीगर पंचायत में भाग लिया, जहां उन्होंने कारीगरों के लिए चिकित्सा जांच शिविर का उद्घाटन किया।

आयोग के अध्यक्ष ने 16 जनवरी, 2018 को एक प्रेरक व्यक्तित्व व सम्माननीय तारा गांधी भट्टाचार्यजी से उनके निवास पर मुलाक़ात की तथा उन्हें खादी क्षेत्र में हुए नये प्रयासों से अवगत कराया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के वर्ष - 2018 के डायरी और कैलेंडर को अहमदाबाद में 24 जनवरी 2018 को आयोग की 653 वीं बैठक में औपचारिक रूप से जारी किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और आयोग के सभी सदस्य एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आयोग के कर्मचारियों के लिए एक विशेष प्रदर्शनी

आयोग के केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई में आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने मुख्यालय के कर्मचारियों के लिए एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इस प्रदर्शनी का उद्देश्य-आयोग के कर्मचारी को 25 प्रतिशत छूट के साथ क्रेडिट या नकदी पर खादी वस्त्र उपलब्ध करना था।

प्रदर्शनी का समापन 31 जनवरी, 2018 को हुआ। गुजरात और महाराष्ट्र की संस्थाओं ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर बिक्री किये।

इस विशेष प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर आयोग की वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी- श्री के.एस. राव और श्री वाई.के. बारामतीकर, और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

बुरहानपुर में केआरडीपी के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

29 दिसंबर, 2017: मध्य प्रदेश सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अर्चना चिटणीस ने आयोग के 'खादी सुधार और विकास कार्यक्रम (केआरडीपी)' के तहत बुरहानपुर की महिला लाभार्थियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया, केआरडीपी का उद्देश्य खादी क्षेत्र को खादी की स्थिरता पुनर्जीवित कर महिलाओं के लिए बेहतर आय और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है।

आयोग ने मनाया 69वां गणतंत्रत दिवस

खादी और ग्रामोद्योग आयोग में देश के 69 वें गणतंत्रत दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। केंद्रीय कार्यालय में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्यपाल ने आयोग परिसर में ध्वजा रोहण किया।

इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गया व राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी | तदोपरांत संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहदन ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ जो ब्रिटिश कानूनों से वास्तविक स्वतंत्रता थी | यह संविधान ही हमें देश में अपने तौर तरीके से जीने का सभी सम्प्रदाय को सामान अधिकार प्रदान करता है।

राष्ट्रगान के पश्चात आयोग में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकमों का आयोजन किया गया।

राज्य कार्यालय, अहमदाबाद में गणतंत्र दिवस

आयोग की सदस्य, उत्तर क्षेत्र सुश्री हिना शफी भट और विशेषज्ञ सदस्य विपणन, डॉ. शीला राय ने 30 जनवरी 2018 को राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, दौसा, जयपुर का दौरा किया।

सदस्यों ने संस्था संघ में चल रही गतिविधियों को देखा और करीब 20 कुम्हारों को विद्युत-चालित कुम्हारी चाक का वितरित किया।

आयोग के सदस्यों द्वारा राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, दौसा का दौरा

इस अवसर पर सदस्यों ने खादी की लोकप्रियता और खादी में शुरू किए गए अभिनव परिवर्तनों पर अपने विचार व्यक्त किए। सदस्यों ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में खादी के बढ़ते बाजार पर जोर दिया।

इससे पहले, श्री ए.के. गर्ग, निदेशक जयपुर, खा.ग्रा.आ. और श्री रामदास शर्मा, अध्यक्ष, राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ ने खादी और ग्रामोद्योग में चल रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

केन्द्रीय मंत्री श्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू में "विजन-जम्मू-प्रदर्शनी" का उद्घाटन किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पीएमईजीपी इकाई एवं खादी संस्थाओं के स्टालों के साथ प्रदर्शनी में भाग लिया।

आयोग के महिला सशक्तिकरण कक्ष ने 9 जनवरी 2018 को केन्द्रीय कार्यालय मुंबई में यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। आयोग की वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने कर्मचारियों के साथ कार्यशाला में भाग लिया ।

महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य खादी और ग्रामोद्योग आयोग में कार्यरत्त महिलाओं और पुरुषों को यौन उत्पीड़न के संबंध में जागरूक करना और इसकी पहचान करना, यौन उत्पीड़न का निवारण करना और कानूनी उपाय प्रदान करना तथा साथ ही किसी भी अन्य तरह के उत्पीड़न से शारीरिक और मानसिक दोनों से बचने के उपाय के सम्बन्ध में जागरूक करना है।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए केईएम अस्पताल के डॉ. पद्मजा सामंत और श्री विजय जावडेकर ने कार्यस्थल पर होने वाले यौन उत्पीड़न पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमें यौन उत्पीड़न के खिलाफ क्यों लड़ना चाहिए, हम यौन उत्पीड़न की पहचान कैसे कर सकते हैं और हम स्वयं इस तरह के उल्लंघन से कैसे बचाव कर सकते हैं। इसके साथ ही कार्यशाला ने शारीरिक और मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न से स्वयं को बचाने के महत्व पर जागरूकता प्रदान की। अधिकांश भाग लेने वालों ने अभी तक किसी भी उत्पीड़न के खिलाफ खुद को बचाने के लिए विचार नहीं किया है, इसलिए यह कार्यशाला ऐसा करने के लिए उन्हें प्रेरित करेगा और एक संकेत भी बनेगा।

उन्होंने आगे कहा कि उसी समय अगर कानून का दुरुपयोग हुआ है तथा महिलाओं ने उस पुरुष के खिलाफ झूठा आरोप लगाकर समिति के पास शिकायत दर्ज की है तो समिति द्वारा उन महिलाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी या करनी चाहिए।

सुश्री उषा सुरेश ने डॉ. पद्मजा द्वारा साझा की गई जानकारी की सराहना की और महसूस किया कि कार्यालय परिसर में महिला कर्मचारियों को सुरक्षित करने के लिए इस तरह की पहल की आवश्यकता है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों ने महसूस किया कि अन्य जो महिलाएं इस विषय की जानकारी से अनभिज्ञ हैं उनके लिए भविष्य में इस तरह की कार्यशाला आयोजित करने की जरुरत है। इस कार्यशाला में उन्हें यौन उत्पीड़न पर बेहतर समझ प्राप्त करने और उन्हें भविष्य में किसी भी उत्पीड़न के खिलाफ कदम उठाने तथा उसे रोकने और चुनौती देने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दिलचस्प विषय है और इससे उन्होंने सीखा है कि यौन उत्पीड़न उनके खिलाफ कैसे कदम उठाया जा सकता है या उत्पीड़न से वे खुद को कैसे बचा सकते हैं । इसलिए, कार्यशाला के प्रतिभागियों के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन से उन्हें इस प्रकार के उत्पीड़न के प्रति सतर्क रहने और लड़ने में मदद मिलती है । अंत में, कार्यशाला को प्रतिभागियों की ओर से बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रियायें मिली।

राष्ट्रपिता का स्मरण.....

आयोग ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की 70 वीं पुण्यतिथि पर उनका स्मरण करते हुए केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मुख्यालय के प्रार्थना कक्ष में सभी अधिकारी और कर्मचारी प्रार्थना सभा में महात्मा गाँधी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए।

आयोग की वित्तीय सलाहकार सुश्री उषा सुरेश साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में पेटी चरखा चलाती हुईं।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने कोलकाता में आयोजित "ग्रामीण प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी-2017" में भाग लिया। जहाँ खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की एक विशाल श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया।

"मिस इंडिया खादी" ने हल्द्वानी में खादी संस्था का दौरा किया

मिस इंडिया खादी खुशबू रावत ने 6 जनवरी, 2018 को हल्द्वानी में खादी संस्था श्री गांधी आश्रम का दौरा किया जहां संस्थान के सचिव श्री सुरेश चन्द्र पंत ने उनका स्वागत किया।

अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने खादी कपड़े और अन्य खादी उत्पादों को देखा। मिस रावत ने खूबसूरत खादी वस्त्रों एवं परिधानों की सराहना की।

प्रेस कवरेज

With all things ethnic, Mahakhadi strikes a chord among Punekars

Rujuta.Parekh@timesgroup.com

The store is doing well without any advertising and promotion

Pune: Within two months of its inauguration, the Mahakhadi outlet on the premises of Handmade Paper Institute in Shivajinagar has become a hot shopping destination for those who love all things ethnic.

Opened on November 16 last year by the Maharashtra Khadi and Village Industries Department to promote local entrepreneurs and manufacturers of khadi in the state, it has been witnessing a footfall of nearly 75 to 80 people and an earning of over Rs 10,000 daily.

"Overall, the response has been good. The footfall is even higher on weekends. We also see a lot of repeat customers who come to buy Mahakhadi food or ayurvedic products. The prices of products are on the higher side as compared to other brands as they are all handmade but people keep coming back to us because of the quality," said Swapnil Patil, accountant at Papertells.

He stated that food products like local pickles, *nachani* biscuits and traditional candies are among the highest selling products. "Artefacts and decorative items made of bamboo, cane, terracotta and copper are also in demand," he said.

However, district village industries officer Ashok Laad said that while the response has been good, it has not met their expectation. "We expected a daily income of at least Rs 20,000 but that has not happened. However, without any advertising and promotion, the store is doing quite well. We are sure that revenue will further increase in near future," he stated.

According to Laad, the department is in the process of increasing product portfolio at the outlet. "We are in talks with our weavers to provide khadi silk saris at the outlet. We have also hired a fashion designer to aid weavers in designing *kurtas* and tops," he said.

On the lines of Mahakhadi, the department has also registered the trademark Mahagram to brand another set of products made by associate entrepreneurs. "The brand will be used to brand products with a chemical base like soaps and shampoos. These products too will be available at the Mahakhadi outlet soon," he added.

lice (zonel) Manoj Kumar Sharma.

A couple of months ago,

der in Rajori Ga Delhi, but had ding in 2016.

Runaway boy traced to TN in 30 hours

TIMES NEWS NETWORK

Mumbai: A class IX student from Kandivli's Lokhandwala complex who ran away from home in the early hours of Wednesday after a disagreement with his schoolteachers was traced to Chennai within 30 hours. Sources said he left home as he was apprehensive of his school complaining to his parents.

The boy had left his mobile phone home but carried a tablet computer. Cops asked his sister and the captain of a local cricket team to send him emails, hoping to elicit a response. He replied to the cricket captain and called up his sister, which led police to his location.

City | SundayMumbaiMirror

One of city's biggest wedding venues told to return 17 acres

CONTINUED FROM PAGE 1

With the execution of the order, Kora Kendra could cease to exist as a large of the rest of its land is already encroached upon.

While the land was allotted to the Mumbai Suburban District Village Industries Association – popularly called Kora Kendra – to promote khadi and ancillary industries, it is frequently given out for weddings and cultural programmes, including the annual Navratri utsav, sources at the Collectorate said.

The order says that Kora Kendra has already lost to encroachments a major chunk of 150 acres allotted to it in 1949. "Many buildings have come up on the Kora Kendra land. Not much can be done about the land lost to these building because that will certainly lead to litigation, but we have asked the tehsildar to take urgent steps to protect what remains," said a senior officer of the Mumbai Suburban Collectorate.

Kora Kendra was issued its first notice on July 16, 2017, asking why the land under its control should not be impounded for violations of lease agreement.

Earlier, the Borivali tehsildar conducted an inspection on March 18, 2016 and filed a report with the collector's office pointing out violations.

Haresh Shah of the Mumbai Suburban District Village Industries Association, however, said that the collector's order is flawed and they are in the process of challenging it. The association has already filed a three-page reply to the collector, which claims that Kora Kendra is the owner of the land and not a mere lease-holder.

As for the buildings constructed on the land, the association has said these were built for Kora Kendra employees, who have refused to vacate the apartments post-retirement. The reply points out that a part of the land has been encroached upon by MHADA.

The association has said Kora Kendra grounds were let out for weddings and cultural events to raise revenues and achieve financial self-sufficiency and that the aim was not to profit.

Kora Kendra (top) is frequently given out for weddings and cultural programmes

केवीआइसी ने नोएडा में पहला खादी कार्नर खोला

केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को नोएडा के ग्रेट इंडिया प्लेस मॉल में प्रथम खादी शॉप-इन-शॉप का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि खादी कॉर्नर खोलने के लिए विभिन्न रिटेल चेन के साथ अनुबंध करने से खादी ने खुदरा बिक्री को नया आयाम दिया है। वे दिन लद गए जब लोग मानते थे कि खादी नेताजी या दादाजी की ड्रेस है। केवीआइसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा आधुनिक विश्व में उपलब्धता बिक्री का प्रमुख मंत्र है।

केवीआईसी में गणतंत्र दिवस

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यपाल ने ध्वजा रोहण किया. इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गया व राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी.

प्रेस कवरेज

Khadi ties up with retailers to enter shopping malls

खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मेसर्स ग्लोबस के साथ समझौता

मुंबई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने १२ जनवरी को खादी कॉर्नर शुरू करने हेतु केंद्रीय कार्यालय मुंबई में मेसर्स ग्लोबस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। यह समझौता आयोग में विपणन निदेशक आई जवाहर व ग्लोबस स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि अमित कुमार के मध्य आयोग के माननीय अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, वित्तीय सलाहकार सुश्री उषा सुरेश व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। स्टोर के ग्लोबस चैन के साथ हुए इस समझौते के बारे में जानकारी देते हुए खादी और ग्राम उद्योग आयोग के माननीय अध्यक्ष ने कहा कि यह एक अच्छा मंच है जहां ग्राहकों को लंबी दूरी तय किये बिना खादी उपलब्ध होगी। उन्होंने इस वर्ष हुई खादी की बिक्री लगभग ५५,८०७ करोड़ का भी उल्लेख किया जो अब तक की उच्चतम बिक्री है। इस तरह के समझौते से बिक्री, रोजगार सृजन व अधिक मजदूरी बढ़ाने के रूप में कारीगरों को लाभ के साथ तीन प्रकार से लाभ होते हैं। विनय कुमार ने खादी मित्र जैसे एक अन्य प्रयोग के बारे में भी घोषणा की, जहां गृहणियां बहुत कम पूंजी निवेश के साथ खादी क्रय विक्रय का व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। ग्लोबस स्टोर प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि एक अच्छे सहयोग का प्रतिफल अच्छा ही होता है और ग्लोबस स्टोर से जुड़े पीढ़ी वाले क्रेता हैं, जो भिन्न भिन्न खादी के साथ-साथ अन्य ग्रामोद्योगी उत्पादों के तले, साबुन के लिए उनके स्टोर से संपर्क करेंगे। नई दिल्ली में खोले गए पहले स्टोर ने रु. प्रति वर्गफुट १८०० रुपये की बिक्री दर्ज की है जो कि अब तक सर्व श्रेष्ठ प्रदर्शन है। मुंबई में लोकप्रिय रिटेल चैन बिक्री केंद्रों के माध्यम से खादी की बिक्री व प्रचार करने हेतु मुंबई में प्रमुख रिटेल चैन बिक्री केंद्रों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, सूक्ष्म, लघु और माध्यम उद्यम सचिव, संयुक्त सचिव (एआरआई) के मध्य १६ नवंबर, २०१७ को एक बैठक आयोजित की गई जहां मेसर्स ग्लोबस अपना बाजार, रेमंड्स बिग बाजार, रहेजा, पैंटालून जैसे २० से अधिक लोकप्रिय रिटेल चैन बिक्री केंद्रों के प्रतिनिधियों सहित रिटेलर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया। जहां खुदरा व्यापार में निजी क्षेत्र के दिग्गजों व व्यवसायियों की पहल से शॉप-इन-शॉप अवधारणा आदि विपणन केंद्रों के माध्यम से खादी का प्रचार करने की पहल के लिए एक साथ आने का अनुरोध किया। मेसर्स ग्लोबस स्टोर प्राइवेट लिमिटेड के बैठक के परिणामस्वरूप खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यालय मुंबई में रिटेल (खुदरा) बिक्री केंद्रों की श्रृंखला उपलब्ध है। भारत के २२ शहरों में ३५ स्थानों पर बिक्रीकेंद्र और शो-रूम हैं। खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नोएडा और चेन्नई में ग्लोबस शो रूम में 'खादी कॉर्नर' स्थापित करने के लिए जगह प्रदान की गई। चरणबद्ध तरीके से विभिन्न ग्लोबस बिक्री केंद्र के माध्यम से बिक्री केंद्रों की संख्या में वृद्धि की जाएगी।

MY BIZ 25

Giriraj flags off Khadi Haat in CP

By Mail Today Bureau
in New Delhi

UNION Minister of State Giriraj Singh inaugurated the first ever 'Khadi Haat', set up under the joint aegis of Khadi and Village Industries Commission (KVIC) and New Delhi Municipal Corporation (NDMC) at Baba Kharak Singh Marg late on Thursday evening.

The outlet stocks a range of products ranging from beautifully embroidered zari zardozi woven on the streets of Benares to Kashmir's Pashmina! From West Bengal's tant sarees to dexterously-designed batik-printed clothes from Indore at a single carpet area in the centre of Connaught Place.

MoS Giriraj Singh

The minister, in his inaugural address, said that Khadi had not only become the favourite fabric for one and all, it had also showcased its presence right from the sleepy hamlets to mega malls of the metros.

The minister also pointed out that KVIC has been making all efforts to popularize Khadi and Village Industries products across the globe though its sales outlets and marketing avenues.

KVIC chairman Vinai Kumar Saxena said that khadi is an indispensable ingredient in the rural development model of India and lays one of the most essential bridges across the rural-urban divide.

Kora Kendra punished for lease agreement violations

One of Mumbai's biggest Navratri venues asked to return 17 acres

Yogesh.Naik
@timesgroup.com
TWEETS @MUMBAIMIRROR

While the land was allotted to promote khadi and ancillary industries, it is frequently given out for weddings and cultural programmes

Kora Kendra – one of the city's biggest wedding venues as also the site of its grandest garba party – has been asked to surrender 17 acres of its sprawling grounds in Borivali to the collector for violation of lease conditions.

In an order passed on December 27 last year, Collector (suburban) Deependra Singh Kushwah has directed the Borivali tahsildar to take immediate possession of the land.

CONTINUED ON PAGE 7

Kora Kendra grounds are also a popular wedding venue in the western suburbs especially in the Gujarati community

NILESH WAIRKER

सामाजिक कुरीतियों के खात्मे को लाखों लोगों ने भरी हुंकार

केंद्रीय व प्रभारी मंत्री और अधिकारी आमजन के साथ बने मानव श्रृंखला का हिस्सा

प्रेस कवरेज

First Ever 'Khadi Haat' Inaugurated In Delhi

January 30, 20180 Comments 0 comment

Marking the 69th Republic Day celebrations, **Khadi and Village Industries Commission (KVIC) and New Delhi Municipal Council (NDMC)** have launched the **first ever 'Khadi Haat' in the country.**

The Khadi Haat was inaugurated by **Union Minister of State Giriraj Singh in Connaught Place, New Delhi.**

MAKEOVER

Postmen, women to now don khadi uniforms

Moushumi Das Gupta

NEW DELHI: Come February, thousands of postmen and postwomen across the country will don a new uniform made of khadi, the traditional home-spun cotton synonymous with Mahatma Gandhi.

The department of posts was procuring the uniforms from the Khadi and Village Industries Commission, an autonomous body under the ministry of micro, small and medium enterprises (MSME). KVIC chairman Vinai Kumar Saxena said.

"We have been impressing upon different state and central government departments to use khadi. Last December, the department of posts agreed to our proposal. This order will create huge employment opportunity in rural areas," Saxena said.

It will earn ₹42 crore for KVIC which is supplying the fabric and has also roped in the National Institute of Fashion Technology to design the outfits—khaki salwar-kameez for women and shirts and trousers for men.

Minister of state for MSME Giriraj Singh and his communications counterpart Manoj Sinha will launch the uniform on Monday, the eve of Gandhi's death anniversary. The department of post comes under the ministry of communications.

There are 74,000 postmen and 9,000 postwomen in the country.

PM Narendra Modi has been at the forefront of promoting the fabric with the slogan "khadi for nation, khadi for fashion".

The revival of interest has seen KVIC's annual turnover grow to ₹31,967 crore in 2016-17 from ₹37,000 crore in 2015-16.

KVIC also generated 469,000 jobs in 2016-17 through village industries, Saxena said. It was a big change from the 2004-2014 period when around 400 khadi institutions were shut down because of non-availability of orders and government support, he said.

Since 2014, when the BJP-led NDA came to power, employees in seven states, including Maharashtra, Jharkhand, Uttar Pradesh and Gujarat, have started wearing khadi to work once a week.

The department of posts has procured uniforms from the Khadi and Village Industries.

NewDelhi

Hindi News »Union Territory News »Delhi News »News» कनॉट प्लेस में शुरू हुआ देश का पहला खादी हाट

कनॉट प्लेस में शुरू हुआ देश का पहला खादी हाट

Bhaskar News Network | Last Modified - Jan 29, 2018, 03:05 AM IST

नई दिल्ली| दिल्ली में देश का पहला खादी हाट शुरू किया गया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर खादी और ग्राम उद्योग आयोग...

नई दिल्ली| दिल्ली में देश का पहला खादी हाट शुरू किया गया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर खादी और ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) और एनडीएमसी ने मिलकर कनॉट प्लेस में यह हाट शुरू किया है। संगीतमय और आध्यात्मिक माहौल के बीच यहां विभिन्न खादी उत्पाद उपलब्ध रहेंगे

First ever 'Khaadi Haat' inaugurated in Delhi

Press Trust of India | New Delhi Last Updated at January 28, 2018 17:05 IST

Marking the 69th Republic Daycelebrations, Khadiand Village Industries Commission (KVIC) and New DelhiMunicipal Council (NDMC) have launched the first ever ' KhadiHaat' in the country.The KhadiHaat, was inaugurated on January 25 by Union Minister of StateGiriraj Singh in Connaught Place here in presence of New DelhiLok Sabha MP Meenakshi Lekhi, KVIC ChairmanV K Saxena, NDMC Chairman Naresh Kumarand noted fashion designer Ritu Beriamong others.At the event on the eve of Republic Day, Singh said, " Khadihas not only become the favourite fabric for one and all, it has also showcased its presence right from the sleepy hamlets to mega malls of cosmopolitan cities.""Music, spirituality and lights at the KhadiHaat will certainly provide a

प्रेस कवरेज

FINANCIAL EXPRESS

Postman in new chic avatar soon; here is what PM Narendra Modi had to do with it.

The postman and the postwoman will now don Khadi outfits and that too from the coming month. The proposed move is inspired by Prime Minister Narendra Modi's idea of switching to Khadi.

In a tech-driven world where emails dominate the messaging needs of the people, a postman or a postwoman delivering mail is not a very common sight. However, there is a big change afoot in what you will see henceforth. Those still doing the rounds will now don Khadi outfits and that too from the coming month. The proposed move is inspired by Prime Minister Narendra Modi's idea of switching to Khadi. Reportedly, the new khadi uniforms will be designed by professionals from the National Institute of Fashion Technology (NIFT). Each of the 62,000 postmen and postwomen will be given two sets of their new outfits, along with sweaters for winter months. The total value of the order has been pegged at around Rs 31 crore, as per media reports.

Each postman/postwoman working for India Post gets an annual uniform allowance of Rs 5,000, and the same amount would be spent on making the two sets of clothes to be given to each of them. One can expect to get new outfits as early as February. As per media reports, the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has got a huge order to design and develop the new uniforms for the postmen and postwomen in the country.

As per the proposed move, the women will be given a pair of salwar kameez, designed with a chic look, while the men will be given shirts and trousers. The uniforms will all be made of khadi and are expected to be khaki-coloured. However, Indian Post is not the first government department to be getting khadi uniforms. Earlier, the cabin crew aboard Air India One, the official aircraft of the president and the prime minister, were also given orders to be dressed in khadi outfits. The female cabin crew wear khadi silk sarees, the male crew sports khadi silk jackets.

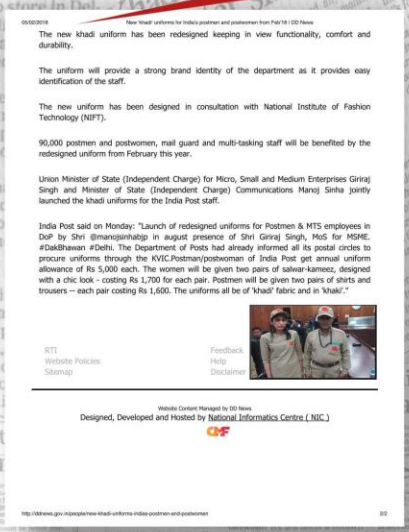

05/02/2018 New 'khadi' uniforms for India's postmen and postwomen from Feb'18 | DD News

The new khadi uniform has been redesigned keeping in view functionality, comfort and durability.

The uniform will provide a strong brand identity of the department as it provides easy identification of the staff.

The new uniform has been designed in consultation with National Institute of Fashion Technology (NIFT).

90,000 postmen and postwomen, mail guard and multi-tasking staff will be benefited by the redesigned uniform from February this year.

Union Minister of State (Independent Charge) for Micro, Small and Medium Enterprises Giriraj Singh and Minister of State (Independent Charge) Communications Manoj Sinha jointly launched the khadi uniforms for the India Post staff.

India Post said on Monday: "Launch of redesigned uniforms for Postmen & MTS employees in DoP by Shri @manojsinhabjp in august presence of Shri Giriraj Singh, MoS for MSME. #DakBhawan #Delhi. The Department of Posts had already informed all its postal circles to procure uniforms through the KVIC.Postman/postwoman of India Post get annual uniform allowance of Rs 5,000 each. The women will be given two pairs of salwar-kameez, designed with a chic look - costing Rs 1,700 for each pair. Postmen will be given two pairs of shirts and trousers -- each pair costing Rs 1,600. The uniforms all be of 'khadi' fabric and in 'khaki'."

RTI Website Policies Sitemap | Feedback Help Disclaimer

Website Content Managed by DD News
Designed, Developed and Hosted by National Informatics Centre (NIC)

http://ddnews.gov.in/people/new-khadi-uniforms-indias-postmen-and-postwomen 2/2

हिन्दुस्थान समाचार Hindusthan Samachar

राष्ट्रीय

देश के डाकियों को मिली नई पहचान,

नई दिल्ली (हि.स.)। संचार राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने सोमवार को भारतीय डाक के पोस्टमैन तथा मल्टी टास्किंग कर्मचारियों के लिए नई वर्दी का शुभारंभ किया। सरकार इन कर्मचारियों को 5 हजार रुपये वर्दी भत्ता देगी।

मनोज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खादी वस्तुओं को बढ़ावा देने का निर्देश दिया था| उसी क्रम में आज डाक विभाग ने सभी पोस्टमैन तथा मल्टी टास्किंग कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा डिजाइन किए हुए खादी वस्त्रों से बनी हुई वर्दी

प्रेस कवरेज

First ever 'Khaadi Haat' inaugurated in Delhi

Expressing similar views, KVIC Chairman V K Saxena said khadi is an indispensable ingredient in country's strive towards rural development and helps bridge the rural-urban divide. PTI | January 29, 2018, 10:40 IST

NewsletterA A

New Delhi: Marking the 69th Republic Day celebrations, Khadi and Village Industries Commission(KVIC) and New Delhi Municipal Council (NDMC) have launched the first ever 'Khadi Haat' in the country.

The Khadi Haat, was inaugurated on January 25 by Union Minister of State Giriraj Singh in Connaught Place here in presence of New Delhi Lok Sabha MP Meenakshi Lekhi, KVIC Chairman V K Saxena, NDMC Chairman Naresh Kumar and noted fashion designer Ritu Beri among others.

At the event on the eve of Republic Day, Singh said, "Khadi has not only become the favourite fabric for one and all, it has also showcased its presence right from the sleepy hamlets to mega malls of cosmopolitan cities."

"Music, spirituality and lights at the Khadi Haat will certainly provide a cozy atmosphere to buyers. KVIC has been making all efforts to popularise its products across the globe through its sales outlets and marketing avenues," he said.

Lekhi, in her address, appreciated the efforts of NDMC and KVIC.

"Khadi is a novel idea and we all should try to propagate it across the globe," she said.

Expressing similar views, KVIC Chairman V K Saxena said khadi is an indispensable ingredient in country's strive towards rural development and helps bridge the rural-urban divide.

"In this Khadi Haat, entrepreneurs under Prime Minister Employment Generation Program (PMEGP) will get an opportunity to display and sell their exquisite products," he said.

"It will also provide better platform as well as source of earning for the artisans," Saxena said.

Secretary in Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) A K Panda and KVIC member Hina Shafi Bhatt were also present at the event

हरिभूमि

नई वर्दी.. नई पहचान, अब इस लुक में दिखेंगे डाकिये, NIFT ने किया डिजाईन

टीम डिजिटल/हरिभूमि, दिल्ली | UPDATED Jan 30 2018 3:00AM IST

भारत सरकार ने देशभर के डाकियों और डाक विभाग के अन्य कर्मचारियों के लिए सोमवार को एक नये गणवेश (वर्दी) का अनावरण किया।

डाकियों की इस यूनिफॉर्म को राष्ट्रीय फैशन तकनीकी संस्थान (निफ्ट) ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण खादी कपड़े से किया गया है।

संचार मंत्री मनोज सिन्हा ने इसे पेश करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खादी को प्रोत्साहित करते रहे हैं।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश में खादी और डाक विभाग के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

jagran.com

अब खादी की खाकी वर्दी पहनेंगे डाकिया

Publish Date:Mon, 29 Jan 2018 11:04 PM (IST)

नई दिल्ली, प्रेट्र। सरकार ने डाक कर्मियों के लिए एक नई वर्दी जारी की है। डाकिया और विभिन्न काम करने वाले कर्मचारी अब खादी की वर्दी में दिखेंगे।

संचार राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने वर्दी लांच करते हुए कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री ने खादी को प्रोत्साहन दिया है। हमने करीब 25 दिनों पहले प्रक्रिया शुरू की थी और खाकी रंग में खादी की वर्दी के साथ सामने आने का फैसला लिया था। खादी और डाक विभाग के लिए प्रचुर संभावना है।'

सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय फैशन तकनीकी संस्थान (निफ्ट) ने सरकार को डिजाइन मुहैया कराया है। डाक विभाग ने इसे स्वीकार करने का फैसला लिया है। नई वर्दी में डाकिए के सिर पर गांधी टोपी की जगह पी-कैप होगा। डाकिया और महिला डाकिया के लिए वर्दी का रंग एक ही रहेगा। नई वर्दी पर 'इंडिया पोस्ट' का लोगो लगा होगा। कंधे पर लाल पट्टी लगी होगी।

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में कहा था कि खादी केवल कपड़ा ही नहीं है, बल्कि भावना भी है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग राज्यमंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने कहा था भावना के लिए खादी, फैशन के लिए खादी और अब परिवर्तन के लिए खादी।'

KVIC holds first Khadi Haat as a part of Republic Day 2018

New Delhi, Jan 27 (KNN) Marking the 69th Republic Day Celebration in the country, the Khadi and Industries Commission (KVIC) held the first ever Khadi Haat at the Connaught Place area of the national capital.

Minister of State (I/C) for Micro, Small and Medium Enterprises, Giriraj Singh inaugurated the Haat. Singh in a tweet from his official twitter handle informed about the inaugural event.

"Inaugurated India's first 'KHADI HAAT' On the eve of 69th Republic Day", Singh tweeted.

Speaking at the event, MSME Minister Giriraj Singh said that Khadi in the recent times have gained fair amount of popularity across country.

"It has not only become the favorite fabric for one and all, it had also showcased its presence right from the sleepy hamlets to mega malls of the cosmopolitans", the Minister said.

Also during the event, various items of the Khadi fabric were on display. Also a cultural evening was organized as a part of the program

प्रेस कवरेज

millenniumpost NO HALF TRUTH

India Post to adorn Khadi uniforms Team MP | 29 Jan 2018 9:30 PM

After more than 160 years of establishment of postal services in India, the 90,000 employees (postmen and postwomen) in the country will be attiring the national fabric (Khadi) as their new uniform from February 2018 onwards. Amid much fervour and enthusiasm, Giriraj Singh, the Union Minister of State (Independent Charge) of the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises and Manoj Sinha, Minister of State (Independent Charge) of the Ministry of Communications, jointly launched the Khadi uniform for the staff of India Post at a function in Udyog Bhawan, New Delhi on January 29

Khadi ties up with retailers to enter shopping malls

Sidhartha@timesgroup.com

New Delhi: Khadi has finally entered shopping malls in tie-up with retail chains, in what is seen as an attempt to tap the middle-class market it has been losing to Patanjali.

Last week, Khadi made a beginning through a tie-up with retailer Globus to launch Khadi Korner, a shop-in-shop concept, at an outlet in Noida. The plan is to move to Chennai, Varanasi and Ahmedabad later this month. Next month, Khadi & Village Industries Commission (KVIC) will go for a similar launch in Mumbai in tie-up with Cotton Bazaar. Discussions are underway with Shoppers Stop and Big Bazaar too, sources told **TOI**.

For years, KVIC had stayed away from shopping malls as it didn't have the financial muscle to spend anywhere between Rs 2-5 lakh a month on leasing space. So, it came with a different model, where it will have a revenue-share arrangement with retailers, which could range between 10% and 20% of the sales.

Khadi plans to tap the middle-class market it has been losing to Patanjali

"Gone are the days when loyal customers travelled long distances to reach *khadi bhandars*. Today, availability is one key focus area and we want to be available at the doorstep," said KVIC chairman V K Saxena.

The initial experiment in Noida is for a fortnight but, Saxena said, the initial sales numbers are promising. On Sunday, sales were estimated at around Rs 28,000, just a fraction of the over Rs 25 lakh that the flagship store in Delhi's Regal Building notched. The sales staff at the Noida Khadi Korner, however, said things could be better starting with a more prominent banner at the entrance. In addition, they complained that the space allocated is not too prominent.

Currently, what's on offer are garment and cosmetics but depending on the feedback more products could be added. Over the last few years, Ramdev's Patanjali, which was pushing for a tie-up with KVIC, has massively ramped up its presence in shopping malls, especially through the franchisee route and has eaten into the government-backed entity's market for products such as spices and honey.

NDTV

India Post Staff To Wear Khadi Uniforms From February

As many as 90,000 postmen and postwomen of India Post will be attired in the new uniform from February 2018.

All India | Press Trust of India | Updated: January 30, 2018 08:26 IST

NEW DELHI: With postmen and postwomen across the country all set to don chic khadi uniforms, the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has bagged a Rs. 48-crore order for their supply, an official said here on Monday.

Union Minister of State (Independent Charge) for Micro, Small and Medium Enterprises Giriraj Singh and Minister of State (Independent Charge) Communications Manoj Sinha jointly launched the khadi uniforms for the India Post staff.

"It is really encouraging that the KVIC has bagged this prestigious order of approximately Rs.48 crore from the Department of Posts to supply new uniforms for postmen and postwomen. This order will certainly increase the income of our artisans," an official statement said.

As many as 90,000 postmen and postwomen of India Post will be attired in the new uniform from February 2018.

Ads by ZINC

India Post tweeted on Monday: "Launch of redesigned uniforms for Postmen & MTS employees in DoP by Shri @manojsinhabjp in august presence of Shri Giriraj Singh, MoS for MSME. #DakBhawan #Delhi."

The Department of Posts had already informed all its postal circles to procure uniforms through the KVIC.

With all things ethnic, Mahakhadi strikes a chord among Punekars

Rajuta.Parekh@timesgroup.com

The store is doing well without any advertising and promotion

Pune: Within two months of its inauguration, the Mahakhadi outlet on the premises of Handmade Paper Institute in Shivajinagar has become a hot shopping destination for those who love all things ethnic.

Opened on November 16 last year by the Maharashtra Khadi and Village Industries Department to promote local entrepreneurs and manufacturers of khadi in the state, it has been witnessing a footfall of nearly 75 to 80 people and an earning of over Rs 10,000 daily.

"Overall, the response has been good. The footfall is even higher on weekends. We also see a lot of repeat customers who come to buy Mahakhadi food or ayurvedic products. The prices of products are on the higher side as compared to other brands as they are all handmade but people keep coming back to us because of the quality," said Swapnil Patil, accountant at Papertells.

He stated that food products like local pickles, *nachani* biscuits and traditional candies are among the highest selling products. "Artefacts and decorative items made of bamboo, cane, terracotta and copper are also in demand," he said.

However, district village industries officer Ashok Laad said that while the response has been good, it has not met their expectation. "We expected a daily income of at least Rs 20,000 but that has not happened. However, without any advertising and promotion, the store is doing quite well. We are sure that revenue will further increase in near future," he stated.

According to Laad, the department is in the process of increasing product portfolio at the outlet. "We are in talks with our weavers to provide khadi silk saris at the outlet. We have also hired a fashion designer to aid weavers in designing *kurtas* and tops," he said.

On the lines of Mahakhadi, the department has also registered the trademark Mahagram to brand another set of products made by associate entrepreneurs. "The brand will be used to brand products with a chemical base like soaps and shampoos. These products too will be available at the Mahakhadi outlet soon," he added.

प्रेस कवरेज

NEW DELHI

Exhibition of khadi products at Dilli Haat

NEW DELHI:, JANUARY 09, 2011 00:00 IST

SHARE ARTICLE

Khadi and Village Industries Commission, New Delhi, in coordination with Rural Employment Generation Programme Entrepreneurs' Welfare Association has organised a State-level exhibition at Dilli Haat near INA Market here. The exhibition is open up to January 15.

About 25 entrepreneurs from six States are selling khadi garments, eco-friendly herbal products, cosmetics, paintings, wooden handicrafts, healthy food products, stone handicrafts, mats and handmade paper items are on sale.

PTI

Postmen To Wear Khadi Uniform

New Delhi: The government today unveiled a new uniform for the Department of Posts personnel, including postmen and multi-tasking staff, which is made of khadi.

Our Prime Minister has been promoting khadi. We started the process around 25 days back and decided to come up with this khadi uniform in khaki colour.

"There is immense potential for Khadi (Khadi and Village Industries Commission) and Department of Posts," Communications Minister Manoj Sinha said while launching the uniform.

Sinha said the National Institute of Fashion Technology (NIFT) presented the design to the government and the postal department decided to accept it.

The new uniform also replaces the "Gandhi topi" with a p-cap.

The colour of the uniform for postmen and postwomen will remain the same. The new dress carries the logo of 'India Post' on the pocket and the cap, along with red stripes on shoulders and shoulder blade.

"Prime Minister Narendra Modi in his 'Mann Ki baat' program said that khadi is not a cloth but it is a notion. Khadi is connected with livelihood of the artisan.

"He said khadi for nation, khadi for fashion and now khadi for transformation.

Postal department is the third to adopt it in this direction," Micro, Small and Medium Enterprises Minister Giriraj Singh said.

The uniform will be gradually made available at over 7,000 retail outlets of KVIC and will be priced at Rs 1,500 for men and Rs 1,700 for women.

"It will be offered at discount of 10 per cent to postal employees," KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said.

Saxena said the total fabric required for making uniforms for 90,000 postmen and postwomen would be around 8 lakh metres, which would be supplied by top 37 khadi institutions of the country from Himachal Pradesh,

Gujarat, Punjab, Chhattisgarh, Madhya Pradesh and Karnataka, among others.

As per rules, it is mandatory for postmen and postwomen to sport a uniform. They are given a 'uniform allowance' of Rs 5,000 every year.

"The new uniform will help in ending variations in uniforms that postmen purchased from various places," Department of Posts Secretary A N Nanda said.

Live हिन्दुस्तान.com

अब नई यूनिफॉर्म में नजर आएंगे पोस्टमैन

नई दिल्ली, एजेंसी

Last updated: Tue, 30 Jan 2018 12:12 PM IST

सरकार ने डाकियों और डाक विभाग के अन्य कर्मचारियों के लिए नई यूनिफॉर्म का अनावरण किया। इसे राष्ट्रीय फैशन तकनीकी संस्थान (निफ्ट) ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण खादी कपड़े से किया गया है। संचार मंत्री मनोज सिन्हा ने इसे पेश करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री खादी को प्रोत्साहित करते रहे हैं। हमने इस नई यूनिफॉर्म को तैयार करने की प्रक्रिया करीब 25 दिन पहले शुरु की थी और खाकी रंग के खादी कपड़े से बनी इस पोशाक को लाने का निर्णय किया।

उन्होंने कहा कि देश में खादी और डाक विभाग के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। सिन्हा ने कहा कि निफ्ट ने सरकार के सामने यह डिजाइन पेश किया और डाक विभाग ने इसे स्वीकार कर लिया। नई यूनिफॉर्म में 'गांधी टोपी के जगह 'पी आकार वाली टोपी है। डाकियों के नई यूनिफॉर्म के रंग में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई यूनिफॉर्म में जेब और टोपी पर भारतीय डाक का लोगो होगा। कंधे पर लाल पट्टियां होंगी। नई यूनिफॉर्म खादी के 7,000 खुदरा बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध होगी। पुरुषों के परिधान की कीमत 1,500 और महिला कर्मियों के परिधान की कीमत 1,700 रुपये रखी गई है।

First ever 'Khadi Haat' inaugurated in Delhi

Updated: Jan 28, 2018 | 17:15 IST | PTI **New Delhi:** Marking the 69th Republic Day celebrations, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) and New Delhi Municipal Council (NDMC) have launched the first ever 'Khadi Haat' in the country.

The Khadi Haat was inaugurated on January 25 by Union Minister of State Giriraj Singh in Connaught Place here in presence of New Delhi Lok Sabha MP Meenakshi Lekhi, KVIC Chairman V K Saxena, NDMC Chairman Naresh Kumar and noted fashion designer Ritu Beri among others.

At the event on the eve of Republic Day, Singh said, "Khadi has not only become the favourite fabric for one and all, it has also showcased its presence right from the sleepy hamlets to mega malls of cosmopolitan cities."

"Music, spirituality, and lights at the Khadi Haat will certainly provide a cozy atmosphere to buyers. KVIC has been making all efforts to popularise its products across the globe through its sales outlets and marketing avenues," he said.

Lekhi, in her address, appreciated the efforts of NDMC and KVIC. "Khadi is a novel idea and we all should try to propagate it across the globe," she said.

Expressing similar views, KVIC Chairman V K Saxena said khadi is an indispensable ingredient in country's strive towards rural development and helps bridge the rural-urban divide.

"In this Khadi Haat, entrepreneurs under Prime Minister Employment Generation Program (PMEGP) will get an opportunity to display and sell their exquisite products," he said.

"It will also provide a better platform as well as source of earning for the artisans," Saxena said.

Secretary in Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) A K Panda and KVIC member Hina Shafi Bhatt were also present at the event.

Khadi India

स्वस्थ जीवन का प्राकृतिक मार्ग

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056 वेबसाईट : www.kvic.org.in

भारत में हम रोजगार सृजन करते हैं तथा समृद्धि बुनते हैं